‘किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी’ कार्यक्रम ‘Kisan Bhagidari, Prathmikta Hamari’ programme

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार 25-30 अप्रैल, 2022 के दौरान ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के तहत ‘किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी’ कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 28 अप्रैल, 2022 को भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे ने हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑफलाइन) में ‘सततता और पोषण के लिए बायोफोर्टिफिकेशन, फसल विविधीकरण और कदन्न का महत्व' विषय पर डॉ एसएल जाट, वरिष्ठ वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान), भाकृअनुप-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ज़ूम मीटिंग के रूप में आयोजित किया गया था और संस्थान के फेसबुक पेज पर और कार्यालय में लाइवस्ट्रीम भी किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 346 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में, डॉ एसएल जाट ने भारत के लिए कृषि में सततता के लिए खतरों और समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाई। उन्होंने हमारी युवा आबादी, जो देश के विकास के लिए भविष्य में मानव संसाधन होगा, को पौष्टिक भोजन प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। डॉ जाट ने बायोफोर्टिफाइड किस्मों के विकास में आईसीएआर की उपलब्धियों और उनके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संतुलित कृषि पारिस्थितिकी प्रणाली, कृषि निर्यात, इनपुट लागत में कमी, जल उपयोग दक्षता आदि के लिए फसल विविधीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। अंत में, उन्होंने विभिन्न प्रकार के कदन्न और हमारे पोषण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। डॉ जाट ने यह भी कहा कि कुपोषण से लड़ने के लिए पोषण शिक्षा देने की भी जरूरत है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ डी एस यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे द्वारा किया गया था।

ICAR-National Research Centre for Grapes, Pune organized a lecture on 'Importance of Biofortification, Crop Diversification and Millets for Sustainability and Nutrition' by Dr. S.L. Jat, Senior Scientist (Agronomy), ICAR-Indian Institute of Maize Research in Hybrid Mode (Online & Offline). This programme was held as Zoom meeting and was livestreamed offline in office and on institute’s Facebook page. This programme was attended by total 346 participants. In this programme, Dr. S.L. Jat raised awareness about threats and solutions to sustainability in agriculture for India. He also emphasized about need for providing nutritious food to our young populations which will be future human resource for nation’s development. Dr. Jat informed about achievements of ICAR in developing biofortified varieties and their benefits. He also emphasized about importance of crop diversification for balanced agroecosystem, agri export, reduction in input cost, water use efficiency, etc. In the end, he informed about different types of millets and their role in our nutrition. Dr. Jat also said that there is need to impart nutrition education as well for fighting malnutrition. The programme was coordinated by Dr. D. S. Yadav, Senior Scientist, ICAR-NRCG, Pune.